

[illegible]

ह्रीं पाद्यं न ह्युनिष्टं कृत्वा ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सौम्यं सौम्यं कः
लक्ष्मीं सलकल्यते + सत्त्वोपायः ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम्
॥ ॥ वंदने ॥ मलयान्वलसीलु नंनामा यद्गगनत्रिनि ॥ श्री वः
लीनरुलामादं वंदनीयुनिष्टं कृत्वा ॥ ॥ सगलपनिवानरु
॥ ॥ वंदने ॥ दीनरुपनी महावीनवीनगलसमन्वितं वानरुतिः
गृहाणत्वैजगद्दीनवनंददं ॥ भाहनी ॥ डं भाहनी कामस्यै
द्विर्वराद्याकषणेत ॥ ॥ कर्जुलं च ॥ ॥ श्रीराम्यं भाहनीला
दाविना ॥ ॥ अर्जुन ॥ डं अर्जुनं अर्जुनयकामिधर्मकाम
धर्कं ॥ ॥ श्रीराम्यं भाहनीला ॥ ॥ अर्जुन ॥ डं अर्जुनं अर्जुनयकामिधर्मकाम

वीन ॥ डं यद्यप्यवीनंदवसिषु अमृडां च रूपकं ॥ वाड ॥ स
उमैष्टुलं गृहाणयनमर्थनि ॥ सगलपनिवानरु ॥ ॥
मालायु ॥ माल्यादीनि सुगंधानि माल्यानि विविधानि वानः
यानुक्तिं कथं जायं घृष्टं गंधं नमा ॥ ॥ सगलपनिवानरु ॥ ॥
मालिका ॥ गंधसौरा कथं ददवि सवदद्यानिष्टुनि ॥ सवका
मधुदं नृणां गृहाण गंधं मृत्तमं ॥ ॥ ॥ तान्त्रान्त्राय ॥ जाग
रितकर्मवानी जीती उंदउरे ॥ ॥ सनरुदमनर्व वसः
वर्गवदमानिका ॥ वंधूकामलि ॥ ॥ वज्रयंती वज्रकरु

१२
थानीलायलंबककुचंगट हाणयूष्यवाउजं ॥ ॥ **हीयाहता**
कंदोरुल ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
धीरुनीतिदृष्टानि ह्रुवायुष्यं युगुक्ता ॥ यथसाह्यः ॥
साह्यायथहृवृगिथेवच ॥ यूपीतंयत्सासांगंयल श्रीसीगति
वर्द्धनी ॥ ॥ **कमल** ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
कमलीकमलंउत्थददामिचलदालय ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
नानिर्मकंयत्तुवपनांमति ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
लैप्रतिगृह्यतां ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥

षितं ॥ वाकिंनस्यमंचिनिदंमनेवगृहणम ॥ **जागीघृष्ट** ॥ म
हीवीजवताथानिघुव्याकिकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
निजागीघृष्टगृहणम ॥ ॥ **कल** ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
वामुधनकीतालरुलानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
लोइवनिजागीघृष्टगृहणम ॥ ॥ **कल** ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
माइहाकलसीघृष्ट ॥ ॥ **यकान** ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
चावाइवीडिका ॥ **डंडू** किकानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥
उर्कलइवानिघुव्यानिहृवृहाहिसूगंधकी ॥ ३ ॥

[illegible]

पञ्चकैलसनी विरयं गुणलसंयुतं । कथं नागुन्नाहं ॥
 अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।
 तां ॥ ॥ दीपं ॥ अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।
 अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।
 वानाहकल्येयादि ॥ अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।
 कामललघुदं । अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।
 ॥ ॥ अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।
 ॥ ॥ अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं । अंजनमनसमचिन्तं ।

प॥ इन्द्राय नमः ॥

॥ हं नमो ॥

दा. श्रि महामाय महेश्वरः

नाथकृत्यजालविद्यामहा

इदं भूमिः प्रदिक्ष्विषयं भक्तल-रूपं महेश्वरं विभक्त्येनमाद्य

निहाये ॥ या व्याघ्रमिदं दृग्गत् ॥ अरुगं धदि ॥ वनको ह्यय ॥

उत्तमिदं विष्णुं ॥ श्री शिवकृत्य नमः ॥ वरुं संदृष्टुं भाव

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमिच्छुमुमहः पतिः कर्मणिप्रदह विनमस्तुत्येनमानः

सिंहः स न स वा न्कायेना बुद्धिः ईसी रुवा। को। ना स न वषा थिय न

[illegible]

मासः सप्तमीनि सा प्रविशन् ॥ २ ॥ लवनाश्च न वि

नामा २३ श्री गुरुः काली कर्नाल कडनी नमः सुभ्य नमः

नमः ॥ ५५ ॥ निमहा कथा येनापनमन्तु पि ॥ मायवीडन

यद्विनममल्लशक्तिरुपिनि ॥ ॐ ह्यादिमथाशक्तिः ॥ अथगंध

वि॥ कालेन॥ अष्टद्वयं॥

नि॥ हन म॥ गणेश

का. का. सि. इ. द्वा. वि. ॥ ५॥ पा. पा. ५५ मि. ह्यो. ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ महालक्ष्मी

मालखाना॥यूष्य
मूनिर्पू(ग)हाद हिमचम नानय
सवतीवदमालिका॥ऊटमधुनिका॥यूक्यसयनमाह्मन॥
रुटमव॥सौरिनयूष्यकुष्माण्डुसर्वया॥धिविनाशनं॥सर्वसिनवि
नाशायगृह्यकृष्ण॥अषीष्यन॥डीविखान॥डातीपशीसुगंध
वसद्वेषाभादिनंऊनं॥मनीश्मगृहा॥नंदयूष्याणामूलमाल
मी॥मृ॥उअकृगद्वारुल॥नाऊयूतीनमस्तुत्यमृषियुक्तिवनान
न॥लायामूडाऊगन्मातासगीनायवननासगी॥यथैकुरुतको
माथंयूष्यद्ववर्तितानि॥गृहा॥मूनिर्पू(ग)हालायामूडापठन

म॥॥ययी॥यद्ययूष्यमनाईवसर्वेषांशायदायका॥उद्वेष्टद्वगा
स्वामिनय॥यकुरुलकामया॥उरुल॥यूष्यनीलायलीवेवसद्य
षामादिद्वर्लरं॥सुखसीरुग्यदंदहिगृह्णगावे॥अषीष्यन॥पवन॥
नाऊयूतीनमाह्मनीमृषियुक्तिवनानन॥लायामूडापठि॥श्रीमान
या॥सोमस्मनमानम॥काशव॥डेकोमपूष्यापठकासनि॥उ
नमी॥ऊनसीपावनंयूज्यकशवानामनि॥यिर्य॥गृह्णगांमूनिस्म
हातेमस्तुस्मनमानम॥॥तन॥उ॥डेकृगयगादि॥डेअय
दादि॥डेअगस्याय॥कम
॥डेअगस्याय॥कम

हुं कृष्णाय नमः ॥ अथ दशमः लिखितः ॥
 ॐ पुष्पाय नमः ॥ नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 यशः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 दियै नमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 वनितैः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 कन्यायै नमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 मकन्यायै नमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ

॥ ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 दिव्यै नमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 कन्यायै नमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 ॥ ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 इति दशमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 कालायै नमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ
 इति दशमः ॥ अथ दशमः नमो देव्यै चैव उदितायै ॥ ॥ अथ

यमुना ॥ ५३ ॥ विष्णु ॥ गद्यपति ॥ ॐ अनसुखे ॥ ॐ लक्ष्मी
॥ ॐ अर्घ्येदादि ॥ ६ ॥ कृतयुगादि ॥ ॐ नैदाये ॥ रुडा
ज्या ॥ निकृ ॥ ॐ ॥ सामा ॥ सीमा ॥ महावला ॥ आवा
हनरुपापनसंनिधानसंनिपापनअवगुं ० नकचवीक
वला ॥ निज्ञानपाद्यावमनीयाद्यै ० ॥ ॐ गजपतिर्य ॥
ॐ ॥ न ॥ ॐ इगयि ॥ अग्नी ॥ ॐ वदकाय ॥ नैअत्य
ॐ रुपाय ॥ लाय ॥ वायव्य ॥ यममगुत्र ॥ यमम
गुत्र ॥ ॐ व ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

दिमध्याह्नं ॥ ० ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॐ मसिनाय ॥ अ न ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
केशन ॥ कठिका ॥ ॐ सिहासनमहालक्ष्मी मृरुय ॥
॥ धर्माय ॥ ॐ ॥ विना ॥ ॐ ॥ अ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

पार्थिव ॥ ३॥ अतिनी ॥ अथ नौदिकी जिम्मेनी ॥
संरुनी ॥ माह नौ ॥ अकषिणी ॥ १० ॥ निरुनी यमपुत्र ॥
वा ॥ ३ ॥ वडनवन ॥ ११ ॥ डंडवडा ॥ १२ ॥ माहपनी ॥
कोमाना ॥ वधुवी ॥ वामाही ॥ १३ ॥ डाणा ॥ वामपुत्र ॥ गहाल ॥ १४ ॥
पूर्वादि ॥ अमरुं मरुयक ॥ १५ ॥ पवामावन ॥ १६ ॥ डंडवकी ॥ १७ ॥
सहो ॥ वन ॥ अति ॥ १८ ॥ किर ॥ माने ॥ १९ ॥ धा
नामूही ॥ गम ॥ २० ॥
४४ ॥ मम ॥ २१ ॥ पुत्र ॥ २२ ॥

ग ॥ २३ ॥ नव ॥ २४ ॥
॥ २५ ॥ अति ॥ २६ ॥
॥ २७ ॥ अति ॥ २८ ॥
डी ॥ वी ॥ ना ॥ सिका ॥ डा ॥ व ॥ २९ ॥ विडा ॥ व ॥ ३० ॥ द ॥ म ॥ नी ॥ ३१ ॥ द ॥ नी ॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥ अति ॥ ३४ ॥
ति ॥ ३५ ॥ क ॥ ड ॥ नी ॥ म ॥ ड ॥ नी ॥ ३६ ॥ ध ॥ स ॥ नी ॥ ३७ ॥ वि ॥ ध ॥ सि ॥ नी ॥ ३८ ॥ वि ॥ ध ॥ जि ॥ ३९ ॥
ना ॥ क ॥ कि ॥ ४० ॥ अ ॥ ४१ ॥
नी ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥

हायहा छानिं बुद्धा ॥ महा ॥ १॥ ~~वामना~~ ~~वामना~~ ~~वामना~~ ~~वामना~~ ~~वामना~~ ॥ २॥ ॥
गमाव न ॥ ३॥ ~~डं~~ नवाय ॥ गणाधिप ॥ कनाली ॥ विकना ॥
महाकाली ॥ कपालिनी ॥ बोधध्यावद्विनाय ॥ महामाया ॥ म
लाला ॥ म ॥ ~~ह~~ ~~वा~~ ~~दि~~ ~~श~~ ~~व~~ ~~नि~~ ~~ह~~ ~~य~~ ~~रु~~ ॥ १० ॥ ~~का~~ ~~द~~ ~~श~~ ~~म~~ ~~पु~~
ल ॥ नपा लं व सला दवो ॥ ~~डं~~ घया ~~ग~~ ~~मा~~ ~~ह~~ ~~श्व~~ ~~नी~~ ~~द~~ ~~वो~~ ॥ ११
लं काया ना क सी दवो ॥ ~~डं~~ स कं न न रं न वी दवो ॥ ~~डं~~ लं
न काला मू ह्वी दवो ॥ का म न काम सनी दवो ॥ कास्मी न
स न सती दवो ॥ ~~डं~~ वि ~~प~~ ~~व्या~~ ~~पि~~ ~~नी~~ ~~म~~ ~~हा~~ ~~ल~~ ~~क~~ ~~ी~~ ~~द~~ ~~वो~~ ॥ १२

नि ~~ह~~ ~~वा~~ ~~दी~~ ~~श~~ ~~ना~~ ~~ना~~ ~~ह~~ ~~य~~ ~~रु~~ ॥ १३ ॥ ~~दा~~ ~~द~~ ~~श~~ ~~व~~ ~~न~~ ~~॥~~ ~~डं~~ ~~ज~~ ~~य~~
नाथय ॥ ~~श्री~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ॥ सिद्धिनाथ ॥ दवनाथ ॥ य रुनाथ ॥ अस
ननाथ ॥ नागनाथ ॥ विद्याधननाथ ॥ ~~ह~~ ~~न~~ ~~थ~~ ॥ पुननाथ ॥ पि
श्वनाथ ॥ ~~ग~~ ~~स~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ॥ गनुतनाथ ॥ महानगनाथ ॥ कि
ननाथ ॥ सर्वसिद्धिनाथ ॥ ~~ह~~ ~~वा~~ ~~पू~~ ~~र्वा~~ ~~दि~~ ~~नी~~ ~~श~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ॥ ~~डं~~ ~~श~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ~~॥~~ ~~डं~~ ~~श~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ~~॥~~
नाथ ~~वा~~ ~~उ~~ ~~श~~ ~~य~~ ~~रु~~ ॥ १२ ॥ ~~वा~~ ~~य~~ ~~ा~~ ~~द~~ ~~श~~ ~~म~~ ~~पु~~ ~~ल~~ ॥ ~~डं~~ ~~अ~~ ~~श~~ ~~म~~ ~~पु~~ ~~ल~~ ~~॥~~
य ॥ बलि ॥ व्यास ॥ ~~ह~~ ~~न~~ ~~मान~~ ॥ ~~रि~~ ~~ही~~ ~~ष~~ ~~प~~ ॥ ~~कृ~~ ~~प~~ ॥ ~~प~~ ~~न~~ ~~रु~~
नाम ॥ माकं आय ॥ ~~ह~~ ~~वा~~ ~~दी~~ ~~श~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ~~॥~~ ~~डं~~ ~~श~~ ~~ना~~ ~~थ~~ ॥ १३ ॥ वत

सति॥ॐ दुर्गाय नमः॥ द्वितीया॥ नृनस्याचिदर्थी॥ पंचमी॥ वसुधै
कुर्वन्मृतमश्नुते॥ नवमी॥ दशमी॥ अकादशी॥ द्वादशी॥ त्रयोदशी॥ चतुर्दशी॥
पूर्णिमा॥ अमावासी॥ ॥ ॐ मघाघरा॥ वृषा॥ मिथुना॥ कर्क
ट॥ सिंह॥ कन्या॥ तुला॥ विष्खा॥ धनुः॥ मकर॥ कुम्भ॥ मीन॥ ॥ नृनिति
थिनादि॥ • ॥ ॐ द्वात्रिंशये ॥ • ॥ यूनमी॥ द्वात्रिंशये ॥ ॐ सि
हासनायेषां उक्तं कार्यं श्रीमहालक्ष्मीं गुरुं ॥ ॐ दक्षि
णादेकस्यां ॥ ॐ वामपादकस्यां ॥ ॐ दक्षिणपुत्रस्यां ॥
ॐ वामपुत्रस्यां ॥ ॐ हस्तहस्ताय ॥ नमः॥ द्यौः॥ हस्त

[illegible]

गायत्र्यानाम। शादावना। सुनखनी। निर्मयास्तिधृति। वं॥
माकडु। जागम। रुद्रजि। विष्णुमिज। यमदधि। का॥
पावसिन्धु। अ॥ ॥ इन्द्रस्यस्का। मादिगणस्था॥ ॥ आवाह
नादि॥ ॥ **सुनः पूजा**॥ ॥ इन्द्रस्यसमूहस्था॥ ॥ इन्द्रिजसमू
डा। पञ्चमसमूह। डलनसमूह। मानसुनवमसो॥ ॥ सय
सागम॥ ॥ अननवाः ॥ ॥ नरका। कर्कटक। पञ्चमः
हायम। हावपाल। कातेक॥ ॥ आवाहनादि॥ ॥ **वति**
पूजा॥ ॥ इन्द्रस्यनकेय। लायाननसिंहमहादेववाय॥ अ

इन्द्रायकृपांलाय॥ ॥ सर्वगणस्था॥ ॥ आवाहनादि॥
॥ **पञ्चापनि पूजा**॥ ॥ इन्द्रायकृपा॥ ॥ इन्द्रस्य॥ ॥ लीवादन। वि
द्यनाज॥ ॥ लक्ष्मकहसु। प्रसासन॥ ॥ आवाहनादि॥ ॥ इन्द्र
पूजा॥ ॥ इन्द्रस्यनय॥ ॥ स्वस्वदेवता। इन्द्रस्यकृपा॥ ॥
॥ **गमना**॥ ॥ इन्द्रकपिलनीदये॥ ॥ कपिलरुद्रा। कपिलसूक्त
डाय॥ ॥ कपिलसुमना। कपिलसुमनस॥ ॥ कपिलादियेव
॥ ॥ मातृकास्था॥ ॥ आवाहनादि॥ ॥ **कोमानी पूजा**॥ ॥ इन्द्र
यूनारनाये॥ ॥ वाहकृपाये॥ ॥ केवपुत्री। काकिहसु॥ ॥